Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 44–2025] CHANDIGARH, WEDNESDAY, OCTOBER 29, 2025 (KARTIKA 7, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 27 अक्तूबर, 2025

संख्या 12/250–2024/पुरा/4261–67.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250–2024/पुरा/2284–92, दिनांक 15 मई, 2025 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
छतरियों का समूह, 17वीं–18वीं शताब्दी पूर्व	छतरियों का समूह, 17वीं–18वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा (नगर परिषद)	1–8	निजी (जैन मंदिर–रेनू, सागर तथा दीपक पोसवाल)	रेवाड़ी–गुरुग्राम सड़क पर रेजांग ला स्मारक के सामने पूरन सिंह बाग में पाँच छतरियों का एक समूह स्थित है। इन छतरियों के वर्तमान स्थान पर स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम के दादा राव तेज सिंह ने 40 बीघा का एक निजी उद्यान (बाग) बनवाया था। पहली, दूसरी और चौथी छतरियाँ एक मंजिला और अष्टकोणीय हैं। वे अष्टकोणीय ड्रमों द्वारा समर्थित गुंबददार छतों की विशेषता रखते हैं, जो एक भव्य दृश्य प्रभाव पैदा करते हैं। प्रत्येक में सभी तरफ कई नुकीले मेहराबदार उद्घाटन हैं, जो उनके सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाते हैं। मेहराबों के बीच की दीवारों में आले शामिल हैं, जो संभवतः सजावटी और कार्यात्मक दोनों प्रयोजनों के

							लिए काम करते थे। तीसरी छतरी अष्टकोणीय के बजाय चौकोर होने के कारण विशिष्ट है। यह भी एक मंजिला है और इसके ऊपर एक गुबंद है। अष्टकोणीय छतरियों के समान, इसमें प्रत्येक ओर तीन नुकीले मेहराबदार उद्घाटन है, जो इसकी स्थापत्य कला में योगदान करते है। पांचवीं छतरी दक्षिण–पश्चिम छोर पर स्थित है। यह एक दो मंजिला आयताकार संरचना है। इस छतरी में तीन ऊचाइयों पर तीन नुकीले मेहराबदार उद्घाटन का एक सेट है, जो समूह के भीतर इसकी प्रमुखता को बढाता है। इसमें एक केंद्रीय कक्ष भी है, जो यह सुझाव देता है कि यह किसी विशेष कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाता होगा। सभी छतरियाँ अपनी परिधि पर छज्जों (लटकती हुई छत) से सजी हुई हैं, जो छाया प्रदान करती हैं और इमारतों की कार्यक्षमता को बढ़ाती हैं। आयताकार छतरी के छज्जों को पत्थर के ब्रैकेट द्वारा सहारा दिया गया है, जो शिल्प कौशल के स्तर को दर्शाता है और संरचनात्मक अखंडता को मजबूत करता है। ये सभी एक गेट वाले घेरे के भीतर एक ऊंचे मंच पर बनाए गए है। सभी पाँच संरचनाएँ ईंट से बनी हैं और चूने के प्लास्टर से ढकी हुई हैं।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 27th October, 2025

No. 12/250-2024/pura/4261-67.— In exercise of the powers conferred under sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964) and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-2024/pura/2284-92, dated the 15th May, 2025, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection .	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2		4	5	6	7	8
Group of Chhatris 17th-18th CE	Group of Chhatris 17th-18th CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Council)	1-8	Private (Jain Temple-Renu, Sagar and Deepak Poswal)	A group of five Chhatris is located at Puran Singh Bagh, opposite the Rezang La Memorial on the Rewari-Gurugram Road. A personal garden (Bagh) of 40 bighas was built on the present site of these chhatris by Rao Tej Singh, grand father of the freedom fighter Rao Tularam. First, Second, and Fourth Chhatris are single-storeyed and octagonal in shape. They feature domed roofs supported by octagonal drums, creating a grand visual effect. Each has multiple cusped arched opening on all sides, enhancing their aesthetic appeal. The walls between the arches include niches, which likely served both decorative and functional purposes. Third Chhatri is distinctive in being square rather than octagonal. It is also single-storeyed and topped

							with a dome. Similar to the octagonal Chhatris, it has three cusped arched openings on each side, contributing to its architectural coherence. Fifth Chhatri is located at the southwest end. It is a double-storeyed rectangular structure. This Chhatri features a set of three cusped arched openings on three elevations, which adds to its prominence within the group. It also contains a central room, suggesting it may have served a particular function. All the Chhatris are adorned with chhajjas (overhanging eaves) along their peripheries, which provide shade and enhance the buildings' functionality. The chhajjas of the rectangular Chhatri are supported by stone brackets, indicating a level of craftsmanship and reinforcing the Chhatri are supported by stone brackets, indicating a level of craftsmanship and reinforcing the structural integrity. All of these are constructed on a raised platform within a gated enclosed. All five structures are built of brick and covered with lime plaster.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

12188—C.S.—H.G.P., Pkl.